<u>जिला सूचना कार्यालय सिद्धार्थनगर से जारी</u>

सिद्धार्थनगर 18 अक्टूबर 2019

शासन द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मा0 राज्यपाल/मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी तथा उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा का आगमन सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आनन्दी वेन द्वारा आयोजित किये गये तृतीय दीक्षान्त समारोह में उपस्थित होकर विश्वविद्यालय की गरिमा को बढ़ाकर गौरवान्वित किया गया। श्रीमती आनंदीबेन पटेल, कुलपति प्रो0 सुरेन्द्र दूबे तथा उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात छात्र/छात्राओं द्वारा वन्दे मातरम गीत तथा सरस्वती वन्दना गीत की प्रस्तुति की गयी।

मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा सर्वप्रथम बच्चो के लिए निर्मित आवास (आनन्द बाॅयज हास्टल) का उद्घाटन किया गया। इसके पश्चात दिग्विजय नाथ पुस्तिका का विमोचन किया गया। उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा ने तृतीय दीक्षान्त समारोह के अवसर पर उपस्थित विश्वविद्यालय परिवार के शिक्षकों, छात्र एवं छात्राओं, बुद्धजीवियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का अति संक्षिप्त इतिहास है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय ने अपने संक्षिप्त समय में बुद्धजन की शिक्षा देने के लिए अध्ययन का कार्य प्रारम्भ हो गया, सिद्धार्थ विश्वविद्यालय अपने कम समय में ऊंचाईयों को छुआ है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय का अन्तिम परिणाम 30 मई 2019 को आ गया। बी0काम0 के अलावा उच्च शिक्षा का कार्य भी प्रारम्भ हो गया है। 12वीं के अन्तर्गत अनुदान आयोग का सृजन कराने का प्रयास होगा। विश्वविद्यालय द्वारा ई-टेण्डरिंग प्रणाली का कार्य शुरू कर दिया गया है। पाठयक्रम में कामन कोर्सेज चलाने का कार्य किया जा रहा है। सरकार द्वारा रोजगार परक शिक्षा देने का भी कार्य किया जा रहा है। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में उपस्थित सभी का अभिनन्दन किया गया।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आयोजित तृतीय दीक्षान्त समारोह के अवसर पर मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी ने अपने सम्बोधन में बताया कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह में सम्मिलित होकर मै गौरवान्वित हो रही है। महात्मा गौतम बुद्ध का बचपन का सिद्धार्थ था इसी के नाम पर जनपद तथा विश्वविद्यालय का नाम सिद्धार्थ रखा गया है। मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने कहा कि इस अवसर पर सिद्धार्थनगर की धरती पर पहुंचकर भगवान गौतम बुद्ध का नमन करती हूं। उन्होंने अपने सम्बोधन में कहा कि बच्चों का ऐसी शिक्षा दी जानी चाहिए जो उनके जीवन में खुशहाली लाये। शिक्षा ऐसी हो जो ईश्वर तुल्य देश और समाज

को खण्डित न करने की शिक्षा दी जाये। सभी लोगो को अपने कर्तव्य का पालन करना चाहिए। आदर्शो के प्रचार-प्रसार के लिए शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने बताया कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय वित्तीय पारदर्शिता का कार्य जो किया गया है यह अत्यन्त ही महत्वपूर्ण कदम है। विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय सेवायोजन का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि हम सभी लोग अपने आप में केन्द्रित होते जा रहे है इससे बचने की आवश्यकता है। सड़क मार्गो पर कार्य करने वाले लोग यदि सड़को के किनारे पहले से वृक्ष न लगे होते तो उन्हे छाया कहा से मिलती इससे हमे सीख लेने की आवश्यकता है। उन्होंने अपने सम्बोधन में बताया कि मा0 प्रधानमंत्री भारत सरकार श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा अनेक योजनायें चलायी गयी है। स्वच्छ भारत, स्वस्थ्य भारत योजनाओं के संबध में जानकारी दी गयी है। स्वच्छता को अपनाकर हम अपने जीवन को स्वस्थ्य बना सकते है। मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा सम्पूर्ण भारत में 2025 तक टी0बी0 रोग से मुक्त करने का संकल्प लिया गया है।

मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल विश्वविद्यालय के शिक्षक कर्मचारियों द्वारा 1-1 टी0बी0 रोगियों को गोद लेकर टी0बी0 के रोग से मुक्त कराने का संकल्प लेने का आहवान किया गया है। छोटे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए उपस्थित विद्यालय के शिक्षकों से आहवान करते हुए कहा कि सिद्धार्थ विश्वविद्यालय द्वारा बच्चों को बैग और उसमें रखी गयी पुस्तके दी गयी है उन्हे विद्यालय के पुस्तकालय में रखे और उन्हें पढ़ने के लिए बच्चों को प्रेरित करे। उ0प्र0 सरकार द्वारा कक्षा 10 कक्षा 12 तथा उच्च शिक्षा की परीक्षा में नकल विहीन परीक्षा कराकर व्यापक सुधार लाया गया है। उन्होंने महिलाओं को 50 प्रतिशत शिक्षा में भागीदारी लाने के लिए आगे आने के लिए कहा गया। महिलाओं द्वारा संचालित किये गये स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं में बदलाव आया है महिलाओ को आज के परिवेश में आगे पढ़ाने या पढ़ने की आवश्यकता है। देश को आगे लाने के लिए प्रदेश भारत सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधिक कार्य कर रही है। आंगनबाड़ी गांव में रहती है उनका दायित्व है कि कुपोषित बच्चों को पोषित बच्चो की श्रेणी में लायें। जब तक हमारी बेटियां स्वस्थ्य नही होगी तब तक हमारा समाज तथा उससे पैदा होने वाले बच्चे स्वस्थ्य नही होगें। उन्होंने सभी बेिटयों को अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी गयी, आप स्वस्थ्य रहेंगी तो भारत स्वस्थ्य रहेगा। समाज के अन्दर सबसे बड़ा अभिशाप दहेज प्रथा है इस प्रथा को मिटाने की आवश्यकता है।

तृतीय दीक्षान्त समारोह कार्यक्रम के अवसर पर मा0 राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी द्वारा स्नाातक एवं स्नातकोत्तर में कुल 30 छात्र/छात्राओं को स्वर्ण पदक एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय बर्डपुर तथा बूड़ा के 50 छात्राओं को स्कूली बैग एवं पुस्तके दी गयी। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में आयोजित तृतीय दीक्षान्त समारोह में कुलपति प्रो0 सुरेन्द्र दूबे द्वारा मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल, उप मुख्यमंत्री डा0 दिनेश शर्मा तथा

उपस्थित सभी का स्वागत किया गया। कार्यक्रम का संचालन डा0 शिवम शुक्ला, वाणिज्य विभाग द्वारा किया गया।

इस दीक्षान्त समारोह में मा0 बेसिक शिक्षा राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री सतीश चन्द्र द्विवेदी, मा0 विधायक कपिलवस्तु श्री श्यामधनी राही, शोहरतगढ़ श्री चैधरी अमर सिंह, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष श्री माता प्रसाद पाण्डेय, आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती श्री अनिल कुमार सागर, पुलिस उप महानिरीक्षक जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा, पुलिस अधीक्षक श्री विजय ढुल, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) सीताराम गुप्ता, कुलसचिव राकेश कुमार, अपर पुलिस अधीक्षक मायाराम वर्मा, उपजिलाधिकारी नौगढ़ देवेश कुमार गुप्ता तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के तृतीय दीक्षान्त समारोह के आयोजन समिति के सदस्य तथा कार्य परिषद के सदस्य तथा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध समस्त महाविद्यालयों के प्राचार्य उपस्थित रहे।

सिद्धार्थनगर 18 अक्टूबर 2019

शासन द्वारा पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार मा0 राज्यपाल/कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में पढ़े सिद्धार्थनगर एन0जी0ओ0/रेडक्रास एसोसिएशन/टीबी एसोसिएशन/रोटरी क्लब के अधिकारियों के साथ सिद्धार्थ विश्वविद्यालय सभागार में बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा द्वारा भारत सरकार की योजनाएं जन धन योजना, आयुष्मान योजना के अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड की प्रगति, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, पोषण अभियान की गतिविधियां, उज्ज्वला योजना, आपरेशन कायाकल्प, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण/शहरी, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, प्रधाानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, प्रधानमंत्री सड़क योजना ग्रामीण, अटल पेंशन योजना, पाइप पेय जल योजना आदि के बारे में जनपद में कराये गये सभी योजना की प्रगति के बारे में प्रजेन्टेशन द्वारा मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल को दिखाया गया। बैठक में मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा बताया गया कि भारत सरकार के नीति आयोग के अन्तर्गत उ0प्र0 के 08 जनपदों में सिद्धार्थनगर भी सम्मिलित है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता पर विशेष बल दिये जाने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम की सफलता प्राप्त करने में जनता का अत्यन्त ही जरूरी है। मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने उपस्थित समस्त प्राचार्यो को निर्देश दिया कि प्रत्येक विद्यालयों के शिक्षकगण अध्ययनरत छात्र/छात्राओं को शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाकर उन्हें पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाये। बच्चों के कक्षाओं में जाकर उसमें से 10 ऐसे अच्छे बच्चों कांे छांटकर अलग करें, जो पढ़ने में अच्छी रूचि रखते हो। उन 10 बच्चों के पढ़ने से शेष अन्य क्लास के बच्चें भी पढ़ने के लिए अपने आप में प्रेरित होकर आगे बढ़ेगे। इस अवसर पर सभी प्राचार्य एवं

शिक्षकगणो को प्रशस्ति-पत्र दिया गया। सभी योजनाओं की प्रजेन्टेशन तैयार करने के लिए मुख्य विकास अधिकारी हर्षिता माथुर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयुक्त बस्ती मण्डल बस्ती श्री अनिल कुमार तथा जिलाधिकारी श्री दीपक मीणा द्वारा मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी को महात्मा गौतम की स्मृति चिन्ह भेट किया गया। इसके पश्चात कपिलवस्तु बौद्ध संग्रहालय में पुरातत्व विभाग द्वारा कपिलवस्तु की खुदाई के दौरान मिले अवशेषो का अवलोकन किया गया। इसके अलावा पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा इस संबध में विस्तृत जानकारी भी दी गयी।

इसके पश्चात मा0 कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल द्वारा कपिलवस्तु स्तूप का भी दर्शन किया गया।

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर
सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर में
दीक्षान्त मंच का लोकार्पण
प्रो. सुरेन्द्र दुबे

प्रो. सुरेन्द्र दुबे
श्री उदय प्रताप सिंह